an>

Title: Need to start Health schemes in Parliamentary Constituencies

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, मैं जिस विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, उससे संसद के हर सदस्य का संबंध रहता है। एनडीए की सरकार के समय आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी, जब देश के प्रधान मंत्री थे, उस समय सांसद संसदीय क्षेत्र स्वास्थ्य मेले की शुरूआत की गई थी। आदरणीया सुषमा स्वराज जी उस समय स्वास्थ्य मंत्री थीं। उन स्वास्थ्य मेलों के कारण संसदीय क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद, संपर्क और चिकित्सा सेवाओं में उनका सहयोग करने का एक बहुत महत्वपूर्ण सशक्त माध्यम मिला था। उसमें मेडिकल कॉलेज से भी विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ आते थे और हर स्वास्थ्य मेले में दस हजार से बीस हजार तक क्षेत्र के मरीज एकत्रित होते थे। सांसदों को उस मेले का संयोजक बनाया जाता था।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि जिस तरह से स्वास्थ्य मेलों का आयोजन उस समय प्रारम्भ किया गया था, उन स्वास्थ्य मेलों का फिर से आयोजन प्रारम्भ किया जाना चाहिए। उसके लिए आठ लाख रूपए की राशि भी दी जाती थी, आठ लाख रूपए का बजट एलोकेशन किया जाता था, अब उसे बढ़ाकर पच्चीस लाख रूपए का बजट एलोकेशन किया जाना चाहिए। हर संसदीय क्षेत्र में फिर से उसी तरह के स्वास्थ्य मेलों के आयोजन की केन्द्र सरकार के द्वारा शुरूआत की जानी चाहिए। मेरी आपके माध्यम से यही माँग है।

माननीय अध्यक्ष : श्री अश्विनी कुमार चौबे अपने आपको श्री वीरेन्द्र कुमार जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।